वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 104 शुक्रवार 11 अगस्त 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

'उद्गम 2023' के मोटिवेशनल टॉक में पहुंचे भूपेन्द्र सिंह

ओरिएंटेशन प्रोग्राम में बोले- 'हर स्थिति को करें एंजॉय, कभी न जाने दें चेहरे की मुस्कान'

जयपुर. कासं। जीवन में यदि आपको बहुत बड़ा बनना है तो अपनी सोच का स्टैंडर्ड बढ़ाएं। यह दुनिया उन लोगों के लिए है, जो सपने देखते हैं और इन्हें पूरा करने के लिए जी–जान लगा देते हैं। इसलिए सपने देखना शुरू करो, इन्हें पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास करो। यह कहना था इंटरनेशनल मोटिवेशनल स्पीकर भूपेंद्र सिंह राठौड़ का। वे गुरुवार को पूर्णिमा यूनिवर्सिटी के ओरिएंटेशन प्रोग्राम 'उद्गम 2023' में स्टूडेंट्स को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इसे लाइफ नहीं, बल्कि फन विद लाइफ मानना चाहिए। एक एक्टिविटी के जरिए उन्होंने स्टूडेंट्स को मोटिवेट करते हुए बताया कि जिंदगी में आप कैसी भी स्थिति में हो, आपके पास आपकी पसंदीदा चीज हो या ना हो, भले ही आपकी चाहत के अनुरूप कुछ नहीं हो रहा हो, हर स्थिति को एंजॉय करें और हमेशा खुश रहें। यही फन विद लाइफ का मूलमंत्र है। सभी के जीवन में बहुत मुसीबतें होती हैं, इनसे कभी घबराएं नहीं, बल्कि पूरे आत्मविश्वास व ताकत के साथ इनका सामना कर आगे बढ़ें। हमेशा हाई एनर्जी लेवल रखकर काम करें, बाकी सब कुछ भगवान पर छोड़ दें। हर व्यक्ति जीवन में कुछ विशेष करने के लिए पैदा हुए हुआ है, इसलिए जो और लोग कर रहे हैं, उनसे कुछ अलग काम करें और अपने माता–पिता के सपने पूरे करें।

फ्लैश मॉब में दिखी फोक आर्ट की खूबसूरत झलक

शहर के अलग-अलग हिस्सों में पहुंचे कलाकार, दिखाएं लोक कला के रंग

जयपुर. कासं

ढोल का धमाल, कालबेलिया का कमाल, भवाई की भव्यता, अलगोजे की गूंज, लोक नृत्य का लालित्य, तेरहताली में कलाकारों का तालमेल, नजर को ठहराव देने वाला बहुरूपियों का रूप। कला एवं संस्कृति विभाग की ओर से गुरुवार को जयपुर में लोक कलाकारों की ओर से आयोजित फ्लैश मॉब में कला प्रेमियों को इन सभी लोक कलाओं की मनमोहक प्रस्तुति देखने को मिली। शहरभर में लोक कलाकारों ने लोक कला के रंग बिखेरे। जवाहर कला केन्द्र से सभी कलाकारों के समूह शहर की 10 जगहों पर पहुंचे। पारम्परिक वेशभूषा में तैयार कलाकार जब जयपुर की जमीं पर उतरे तो राजस्थानी संस्कृति का मोहक नजारा देखते ही बनता था। लोक वाद्य यंत्रों की धुन, कलाकारों को नृत्य करता देख दर्शक भी झूमने को मजबूर हो उठे। वहीं बहरूपिया और कठपुतली कला को देख सभी रोमांचित हो उठे। हवामहल और चांदपोल मेट्रो स्टेशन पर चकरी नृत्य, लोक नृत्य, बहुरूपिया, ढोल, कच्छी घोड़ी, बांकिया और कठपुतली की प्रस्तुति दी गयी। बिड़ला मंदिर-अजमेरी गेट पर कलाकारों ने भवाई नृत्य, चंग, बहुरूपिया, ढोल, बांकिया, अलगोजा और कठपुतली की पेशकश की। सिटी पार्क व हाउसिंग बोर्ड चौपाटी पर भी कालबेलिया नृत्य, लोक नृत्य, बहुरूपिया, ढोल, बांकिया और कठपुतली की प्रस्तुति आयोजित की गयी। गौरव टावर-जवाहर सर्किल पर चरी नृत्य, कुचामणी ख्याल, बहुरूपिया, ढोल, बांकिया व कठपुतली की प्रस्तुति हुई। इंडिया गेट, प्रताप नगर-सांगानेर थाना पुलिया के पास तेरहताली, बहुरूपिया, ढोल, कठपुतली की प्रस्तुति दी गई। कला एवं संस्कृति विभाग के प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि लोक कलाकार लोक संस्कृति के संरक्षक हैं, वे प्रदेश की समृद्ध कलात्मक विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुंचाकर उसे आगे बढ़ाते हैं। फ्लैश मॉब आमजन को लोक कला से रूबरू करवाने का सशक्त प्रयास बनकर उभरा है।

सरकार के खिलाफ उपवास पर बैठे उपेन: बोले...

कर्मचारी चयन बोर्ड अध्यक्ष की जल्द हो नियुक्ति

1 लाख पदों का जारी हो भर्ती कैलेंडर

जयपुर. कासं। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड अध्यक्ष हरिप्रसाद शर्मा के इस्तीफे के बाद नए अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है जिसके बाद प्रदेशभर के बेरोजगारों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इसी कड़ी में आज राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष उपेन यादव प्रदेशभर के सैकड़ों बेरोजगारों के साथ कर्मचारी चयन बोर्ड मुख्यालय पर उपवास पर बैठे। उपेन में कहा कि हरिप्रसाद शर्मा को इस्तीफा दिए 18 दिन से ज्यादा का वक्त बीत गया है। शर्मा खुद इस बात को स्वीकार कर चुके हैं कि अगर वह खुद अध्यक्ष रहते हैं तो भर्ती प्रक्रिया अटक सकती है। ऐसे में हम यही चाहते हैं कि न सिर्फ अध्यक्ष बल्कि बोर्ड सदस्यों की भी नियुक्ति की जाए। ताकि प्रदेश के युवाओं को जल्द से जल्द रोजगार मिल सके। उन्होंने कहा कि सरकार ने बजट में 1 लाख नई भर्तियों की घोषणा की थी। लेकिन

अब तक इनमें से एक भी पद पर भर्ती विज्ञप्ति जारी नहीं हुई है। वहीं इनमें से एक पद का वर्गीकरण तक किया गया है। ऐसे में अगर सरकार ने जल्द ही भर्ती कैलेंडर जारी कर 1 लाख पदों पर वर्गीकरण के साथ विज्ञप्ति जारी नहीं की।

हवन के साथ भागवत कथा ज्ञानयज्ञ महोत्सव का समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया। व्यापार मंडल मंदिर श्री लक्ष्मीनारायण,बाई जी के बैनर तले बड़ी चोपड़ स्थित मंदिर श्री लक्ष्मीनारायण बाई में चल रहे श्रीमद भागवत कथा ज्ञानयज्ञ महोत्सव का समापन गुरुवार को हवन के साथ हुआ। इस मौके पर उपस्थित पंडितों ने यजमानों ने यज्ञ में आहुतियां दी। इस मौके पर व्यापार मंडल मंदिर श्री लक्ष्मीनारायण,बाई जी के अध्यक्ष श्रीराम शर्मा व मंत्री महेन्द्र शर्मा, ने बताया कि आज सुबह महोत्सव के समापन पर हुआ,जिसमें पंडितों ने विश्व में शांति व देश में खुशहाली की कामना के साथ यज्ञ में मंत्रोच्चारण के बीच आहुतियां दी। इस दौरान आसपास का क्षेत्र मंत्रों की मधुर स्वर लहरियों से गुंजायमान हो उठा। इस दौरान मुकेश थावरिया,हनुमान सोनी,चंदाराम गुर्जर व जयकुमार सोनी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

स्व. महेन्द्र कुमार जी पाटनी

श्रद्धांजलि सभा

शुक्रवार, दिनांक 11 अगस्त, 2023

दोपहर 4.00 बजे से सांय 6.00 बजे तक

स्थान : भट्टारक जी की नसियाँ, जयपुर

नमनकर्ता

प्रबन्धकारिणी कमेटी

दिगम्बर जैन अतिशय

क्षेत्र श्री महावीरजी

501 महिलाओं की कलशयात्रा से शुरू हुई भागवत कथा

जयपुर. शाबाश इंडिया। अधिक मास के अवसर पर श्रीशिव सेवा समिति के बैनर तले पदमावती कॉलोनी, प्रथम के पदमावती पार्क स्थित मंदिर श्री राधागोविन्द पार्क में गुरुवार से श्रीमद भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का शुभारंभ 501 महिलाओं की निकली कलशयात्रा से इस दौरान इस दौरान आसपास का क्षेत्र भक्ति और आस्था के रंग में डूब गया। आज सुबह 501 महिलाओं की कलशयात्रा श्याम नगर थाने के पीछे स्थित श्री शिव हनुमान से शुरू हुई बैंडबाजे के भव्य लवाजमे के साथ निकली इस कलशयात्रा में एक ही परिधान में 501 महिलाएं सिर पर मांगलिक कलश लेकर चल रही थी तों वहीं बैंड वादकों की मधुर स्वर लहरियों पर श्रद्धालु नाचते-गाते हुए चल रहे थे। इस दौरान प्रधान यजमान बीबी शर्मा व उनकी पत्नी स्वर्णलता शर्मा भागवत पोथी लेकर चल रहे थे। इधर संत शिरोमणि व भागवत कथाचार्य प्रकाशदास जी महाराज बग्गी में चल रहे थे,जिनके श्रद्धालु जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। कलश शोभायात्रा विभिन्न मार्गों से होती हुई कथा स्थल पदमावती पार्क स्थित मंदिर श्री राधागोविन्द पार्क मंदिर पहुंची,जहां पर दौरान प्रधान यजमान बीबी शर्मा व उनकी पत्नी स्वर्णलता शर्मा कार्यक्रम से जुड़े नटवर शर्मा,पंडित अरूण शर्मा व महावीर शर्मा आदि ने श्रीमद भागवत की पूजा की व आरती उतारी। इस मौके पर व्यास पीठ से भागवत कथाचार्य प्रकाशदास जी महाराज ने कहा कि भागवत कथा सुखों की जननी है जिसके श्रवण मात्र से जीवन में वास्तविक सुख का अनुभव होता है। भागवत कथा की प्रत्येक पंक्तियां श्रवण करने से जीवन में वास्तविक सुख का अनुभव होता है।उन्होंने आगे कहा कि जिस घर में श्रीमद भागवत के नियमित पाठ होते हैं,वह घर स्वर्ग के सामान माना जाता है। प्रधान यजमान बीबी शर्मा ने बताया कि कथा महोत्सव के तहत कथा 16 अगस्त तक रोजाना दोपहर 1 बजे से 5 बजे तक होगी समापन पर 17 अगस्त को सुबह हवन साय को भंडारा प्रसादी होगी।

डेंगू पीड़ित के लिए समाज सेवी दीपक मीणा ने 50 किमी दूर चीन्सा से कोटा आकर डोनेट की एसडीपी

मीणा अब तक 36 बार रक्तदान कर चुके हैं...

कोटा. शाबाश इंडिया। रक्त सेवा परिवार टीम कोटा की ओर से लगतार ब्लड डोनेट करवाकार कीर्तिमान स्थापित किया जा रहा है लोगो को कोटा शहर के साथ पूरे राजस्थान में रक्तदान व प्लेटलेट्स डोनेशन करने हेतु जागरूक करते हुए रक्त व प्लेटलेट्स डोनेट के लिये तैयार कर मरीजों को नया जीवन देने का प्रयास किया जा रहा है। रक्त सेवा परिवार टीम जरूरत मन्दों के लिये आशा की किरण बनकर शहर में सेवा कर रही है। रक्त सेवा परिवार टीम के संस्थापक दीपक मीणा रक्तमित्र ने बताया की भर्ती नरोत्तम 47 वर्ष डेंगू बीमारी से पीड़ित है जेसे ही व्हाट्सएप ग्रुप पर मैसेज आया यह मैसेज देख कर मीणा रक्तदान की इच्छा जाहिर कर दी मीणा पिछले वर्षों से रक्तदानं की मिशाले पेश कर रहे हैं ऐसा ही एक उदाहरण बुधवार को देखने को मिला भर्ती मरीज के परिजनो से मीणा ने संपर्क किया और 50 किलोमीटर दूर से कोटा आकर ओ पॉजिटिव प्लेटलेट्स डोनेशन किया मीणा पिछले कुछ वर्षों से समाज सेवा से जुड़कर जरुरत मन्द मरीजों की मदद कर रहे है मरीज के परिजनों ने दीपक मीणा ओर समस्त टीम का को धन्यवाद दिया और किसी को जरुरत पर रक्तदान करने का संकल्प लिया। इस दौरान वहां हेमंत, नंदबिहारी,आदि मौजूद रहे।

शाहगढ़ में बुंदेलखंड के तीर्थ क्षेत्र एवं मंदिर कमेटियों का हुआ अधिवेशन

तीर्थ व मंदिरों का संरक्षण ही संस्कृति का संरक्षण है: मुनि विरंजन सागर

राजेश रागी/रत्नेश जैन. शाबाश इंडिया

बकस्वाहा। निकटवर्ती नगर शाहगढ़ के बडा मंदिर परिसर में जैन संस्कृति, तीर्थ व मंदिर संरक्षण संवर्धन और संगठन के उद्देश्य को लेकर बुंदेलखंड स्तरीय तीर्थ क्षेत्र एवं मंदिर समितियों का वृहद अधिवेशन भारत गौरव गणाचार्य श्री विराग सागर जी महाराज के परम प्रभावक जनसंत उपाध्यक्ष श्री विरंजन सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में आयोजित किया गया जिसमें उपाध्याय श्री ने समितियों के प्रतिनिधियों को मार्गदर्शन देकर तीर्थ व मंदिर संरक्षण और साधुओं की व्यवस्थाओं हेतु संकल्प कराया, वहीं सुविख्यात प्रतिष्ठाचार्य बा.ब्र.जय निशांत भैया जी सहित अनेक वक्ताओं ने तीर्थ मंदिर सुरक्षा, साधु सुरक्षा एवं व्यवस्था सेवा , मंदिर कमेटी का समाज के प्रति कर्तव्य आदि के संबंध में अपने सुझाव विचार व्यक्त किए। अधिवेशन में संबोधित करते हुए शाहगढ़ नगर में ही मंगल चातुर्मास कर रहे जनसंत उपाध्याय श्री विरंजन सागर जी महाराज ने कहा कि तीर्थ मंदिर हमारी संस्कृति की धरोहर है , जो आस्था व विश्वास के केंद्र हैं, जिस पर कुठाराघात हो रहा है , अपनी संस्कृति धरोहर को बचाए रखना हम सबका दायित्व है और इनके संरक्षण व संवर्धन कैसे हो यह विचारणीय विषय है । जब जब हमारी संस्कृति पर कुठाराघात हुआ है तो साधु संतों ने आगे आकर मार्ग प्रशस्त किया है, उन्होंने संस्कृति के संरक्षण के संबंध में कई उपाय बताएं ।उन्होंने कहा कि औरंगजेब ने मंदिर मूर्ति तोड़े तो भक्तों ने आगे आकर मंदिर मूर्ति तैयार कर दिये , यही वजह है कि भूगर्भ से हमारे हजारों साल पुरानी प्रतिमाओं सहित मंदिर खुदाई में मिले हैं । वर्तमान में प्राचीनता को खत्म करके और अब नई प्रतिमाओं को रखना शुरू कर दिया है।प्राचीन मंदिरों में सोने चांदी का नहीं वीतरागता का काम होता था। अब हम दिखावा कर अपने ही पांव पर कुल्हाड़ी चला रहे हैं और पाश्चात्य संस्कृति व भौतिक सुविधाओं को अंगीकार कर रहे हैं और अपनी संस्कृति के संरक्षण में रुचि नहीं ले रहे हैं। हमें शिक्षा स्वास्थ्य आदि के क्षेत्र में आगे बढ़कर जनहितार्थ उपकार के केंद्र पुनरर्स्थापित करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बड़ी कमेटियां गांव की छोटी कमेटियों, गांव के मंदिरों का संरक्षण सहयोग करें ।साधुओं में भेदभाव नहीं करें , उनके आहार विहार और विश्राम की समुचित व्यवस्था करें । पंथबाद, संतबाद, जातिवाद की विचारधारा को खत्म करने का संकल्प करना चाहिए और संगठन का गठन कर समर्पित भाव से कार्य करने का आव्हान किया।

अधिवेशन मे शताधिक कमेटियों के प्रतिनिधि हुए शामिल

इस अधिवेशन में बुंदेलखंड के 100 से अधिक तीर्थ व मंदिर कमेटियों के 500 प्रतिनिधियों ने भाग लिया । अधिवेशन में मुख्य वक्ता के रूप में प्रतिष्ठाचार्य ब्र.जय निशांत भैया जी ने कहा कि समस्या हमारी और समाधान भी हमारा है , हमें अपने क्षेत्र का संरक्षण स्वयं को करना होगा ।एकल परिवार और गांव से शहर की ओर पलायन करना भी मंदिरों के संरक्षण में हमारी कमी बनती जा रही है । साधुओं के बिहार में श्रावकों का नहीं होना ही घटनाओं को बढ़ावा देना है। राजनीतिक प्रतिनिधित्व को बढ़ायें और खुद को जैन लिखना शुरु करें,बच्चों को कान्वेंट स्कूल में नहीं, संस्कृति युक्त स्कूल में पढ़ाई कराएं तभी तो बच्चों में संस्कार आएंगे। इस अवसर पर अशोक पिडरुवा, वीरचंद, डॉ. राकेश मडावरा, राजेश रागी बकस्वाहा सहित अनेक वक्ताओं ने अपने विचार रखे ।

नैनागिरि महोत्सव की पत्रिका का हुआ विमोचन

इस अवसर पर जैन तीर्थ नैनागिरि ,सातपुर शाहगढ़ में होने वालें में पंचकल्याणक महोत्सव हेतु पूज्य उपाध्याय श्री को श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया , साथ ही जैन तीर्थ नैनागिरि में 04 से 10 दिसम्बर तक आयोजित होने बाले पंचकल्याणक महोत्सव के फ्लेक्स व 23वें तीर्थंकर भगवान पारसनाथ के 2800वां निर्वाण महोत्सव की आमंत्रण पत्रिका का विमोचन कराया गया । अधिवेशन मे उपस्थित सभी प्रतिनिधियों को शाहगढ़ की मंदिर व चातुर्मास समिति ने सम्मानित कर आभार व्यक्त किया।

प्रताप नगर सेक्टर 8 में दो दिवसीय शांतिनाथ मंडल विधान पूजन 13 से

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजधानी के दक्षिण भाग स्थित प्रताप नगर सेक्टर 8 के शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के प्रांगण पर आचार्य सौरभ सागर महाराज के सानिध्य में दो दिवसीय श्री शांतिनाथ मंडल विधान पूजन का भव्य आयोजन 13 अगस्त से प्रारंभ होगा। इस आयोजन के मुख्य पुण्यार्जक बनने का सौभाग्य रामावतार, दिनेश, मनीष जैन परिवार डिब्रू वालो को प्राप्त हुआ है। इस पूजन में 100 से अधिक श्रावक और श्राविकाएं भाग लेगी और विश्व कल्याणकारी भगवान शांतिनाथ की भजन - भक्ति के साथ आराधना कर भावों को धारणकर अष्ट द्रव्य के साथ जगत के कल्याण और विश्व में फैली अशांति से मुक्ति की कामना करेंगे। इस आयोजन की शुरूवात रविवार को प्रातः 6.15 बजे से मूलनायक भगवान शांतिनाथ के कलशाभिषेक और शांतिधारा के साथ होगी।इसके पश्चात विधानपूजन प्रारंभ होगा। इसी दौरान प्रातः 8.30 बजे से आचार्य सौरभ सागर महाराज विशेष आशीर्वचन देगें।

ईमानदारी दान को, बेईमानी चोरी को जन्म देती है: आचार्य सौरभ सागर

गुरुवार को प्रातः 8.30 बजे संत भवन में अपने आशीर्वचन देते हुए आचार्य सौरभ सागर महाराज ने कहा की - आज का मनुष्य बेईमानी से धर्म एवं जीवन को चलाता है।बिना बेईमानी से उसका एक कदम भी आगे नहीं बढ़ता है। कानून वास्तव में अंधा हो गया है, इसलिए तो रिश्वत लेते पकड़े जाने पर रिश्वत देकर छूट जाते है। इस अंधेपन के कारण ही सर्वत्र बेईमानी, कालाबाजारी, लूट, चोरी प्रारंभ हो चुकी है और लोगों के मुख से व्यंगात्मक रूप से अक्षरशः सत्य नारे निकलने लगे है। मेरा भारत महान सौ में से 99 बेईमान। आचार्य श्री ने आगे कहा की आज इंसान पहले देसी घी में डालडा, हल्दी में पीली मिट्टी, चावल में कंकड़, कालीमिर्च में पपीते के बीज, तम्बाकू में लीद मिलाता है उसके बाद अपने आपको धर्मात्मा साबित करने के लिए बड़े शान से मंदिर जाता है। इसलिए आज मनुष्य का मनुष्य पर से विश्वास समाप्त हो गया है। आज विदेश जाने के लिए पशु - पक्षी को पासपोर्ट नहीं बनवाना पड़ता लेकिन मनुष्य को बनवाना पड़ता है। क्योंकि मनुष्य ने अपनी इज्जत, अस्मिता को दांव पर लगाकर बेईमानी करके पेटी भरने की कोशिश की है। पशु, पक्षी मात्र पेट भरता है, पेंट नही। पेट भरने के लिए ईमानदारी आवश्यक है। पेटी भरने के लिए काला बाजारी आवश्यक है, बेईमानी, लूट, खसोट, धोखा, छल, कपट, प्रपंच आवश्यक है। इस सृष्टि में केवल ईमानदारी ही है जो ₹ दान ₹ को जन्म देती है और बेईमानी ₹ चोरी ₹ को जन्म देती है। बेईमान मनुष्य कितना ही धर्मात्मा बनने की कोशिश कर लेवें किंतु वह खुद को धर्मात्मा दिखा सकता है बना नही सकता, किंतु ईमानदार मनुष्य खुद को बना नही सकता केवल दिखा सकता है।

वेद ज्ञान

सत्य सफलता पाने का श्रेष्ठ उपाय

सत्य वाणी श्रेष्ठ संस्कार, देवत्व और मानवीय-मूल्य हैं। सत्य सफलता पाने का श्रेष्ठ उपाय है। झूठ बोलना लोगों को गुमराह करना है। यह एक नकारात्मक प्रवृत्ति है। बुराई को अच्छाई बताने के लिए झूठ लाया जाता है। सच्चाई छिपाने के लिए झूठ आता है। सत्य परोपकारी है तो झूठ परम स्वार्थी। सत्य मर्यादा-आदर्श की लक्ष्मण रेखा नहीं लांघता, झूठ नैतिकता रहित है। एक झूठ को सत्य बनाने के लिए सौ झूठ तलाशने पड़ते हैं। सत्य से संबंध सशक्त होते हैं, लेकिन झूठ संबंधों को काटने की आरी है। झूठ व्यस्तता का नाटक करके छल-प्रपंच करता है। सत्य समय निकालकर आत्मीयता लुटाता है। झूठ कुसंस्कार और पतन का मार्ग है। एक बार झूठ के जरिये सफलता मिल जाने पर बार-बार झूठ बोलने की आदत पड़ जाती है। अल्पज्ञता झूठ की पोषक है। सत्य छिपाने वाले संकोची और सरल व्यक्ति को मूर्ख बनाते हैं। नाक के ऊपर पानी जाते ही सत्य और असत्य का भेद खुल जाता है। सत्य अतिथि को देवता मानकर दुर्लभ निमंत्रण देता है तो झूठ बहाना बनाकर रुकने का नाम ही नहीं लेता। झूठ विश्वासघात कर बैठता है। सत्य किसी की प्रार्थना, विनम्रता, क्षमा याचना और उपकार का मूल्य लगाता है तो झूठ सरलता को विवशता मानने के भ्रम में मनमानी करता है। स्वार्थ में बोला गया झूठ सत्य के आगे खुल जाता है। सत्य में कृतज्ञता बढ़ती है। झूठ कृतघ्नता के कारण पनपता है। सत्य तब तक झूठ का पीछा करता है जब तक यथार्थ चेहरा सामने नहीं आ जाता। महात्मा विदुर ने हमेशा सत्य का पक्ष लिया। झूठ हर प्रकार से सत्य को डिगाने का प्रयास करता है, पर निराश होते ही समर्पण कर बैठता है। सत्य निष्कपट भाव है तो झूठ छल की नींव। सत्य संकल्प से ऊंचाई देता है। झूठ विकल्प पाकर नीचे गिरता जाता है। सत्य मान बढ़ाता है। झूठ बहाने को चरित्र मानकर बाद में प्रायश्चित करता है। झूठ दूसरे के सदाचार को पाप बताता है और अपने अपराध को सदाचार। झूठ लोक निंदा बढ़ाता है तो सत्य घटाता है। सत्य बचाने वाले की अंतिम सांस तक अच्छा रक्षा करने का व्रत लेता है तो असत्य बचाने वाले का अनादर करने से नहीं चूकता।

संपादकीय

राजकोषीय घाटे और ऋण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधार

आरबीआई के आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि कोविड महामारी के बाद केंद्र एवं राज्यों के राजकोषीय घाटे और ऋण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है। केंद्र का राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 5.9 प्रतिशत रह गया है। वहीं सभी राज्यों का राजकोषीय घाटा भी 4.1 प्रतिशत से घटकर 3.24 प्रतिशत रह गया है, परंतु ये आंकड़े सभी राज्यों के लिए समान नहीं हैं। वित्त वर्ष 2020-21 में चार राज्य बिहार, गोवा, ओडिशा और उत्तर प्रदेश राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को पाने में पिछड़ गए थे। वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में सात राज्य आंध्र प्रदेश, हरियाणा, केरल, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु और बंगाल अपने लक्ष्य से पीछे हैं। इनमें उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और झारखंड को जोड़ दें तो ये दस राज्य कुल देश का 50 प्रतिशत से अधिक व्यय करते हैं। इन राज्यों का ऋण वित्त आयोग द्वारा अनुशंसित ऋण अनुपात से भी अधिक है। यह किसी एक राज्य की समस्या नहीं है, बल्कि यह पूरे देश की समस्या है। राज्यों के खर्च तो बढ़ते जा रहे हैं, परंतु उनके लिए वित्त पोषित करने की क्षमता वित्त वर्ष 1955-56 में 69 प्रतिशत से घटकर 2019-20 में 38 प्रतिशत ही रह गई है। वित्तीय अनुशासन के बाद भी राज्यों की स्थिति में कोई विशेष सुधार नहीं आया है। राज्यों की बढ़ती उधारियां अर्थव्यवस्था पर न सिर्फ प्रतिकूल प्रभाव डाल रही हैं, बल्कि इसका प्रभाव उन राज्यों पर भी हो रहा, जो विकसित बनने की दिशा में अग्रसर हैं। राज्यों का व्यय उनकी आय से अधिक होने के कारण वे अधिक ऋण की मांग करते हैं। ब्याज भुगतान, सब्सिडी, पेंशन, कर्ज माफी आदि गैर उत्पादक व्यय के बढ़ने से राज्य सरकारों पर आर्थिक दबाव बढ़ता जा रहा है। कोविड महामारी के बाद उत्पन्न होने वाले वैश्विक जोखिम और अनिश्चितताओं के कारण विभिन्न प्रकार के घाटे को कम करना भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती बन गई है। तेजी से बदलती वैश्विक आर्थिक गतिविधियों ने नीति-निमार्ताओं को यह सोचने पर विवश कर दिया है कि अनुदान एवं मुद्रास्फीति के साथ राजकोषीय संतुलन का प्रबंधन किस प्रकार किया जाए। इस संतुलन को साधने के लिए सरकार कर के दायरे में सुधार करने के बजाय कर की गहनता को बढ़ावा दे रही है, जो आने वाले समय के लिए मुश्किलें पैदा कर सकती है। इन दिनों भारतीय राज्यों के समक्ष दोहरी समस्या है। एक तरफ कम कर, कम राजस्व और बढ़ता घाटा है तो दूसरी ओर विकास प्रक्रिया को तेज करने के लिए आधारिक संरचना में अधिक व्यय करना पड़ता है। प्रत्येक राज्य की विशेषताएं भी इस असमानता को बढ़ा रही हैं। जनसंख्या, आर्थिक विकास, शहरीकरण, प्राकृतिक संसाधन, जलवायु, इन्फ्रास्ट्रक्चर, नियामक वातावरण, श्रमिक सुधार, नेतृत्व क्षमता आदि में भिन्नता के कारण राज्यों में आर्थिक-सामाजिक असमानताएं तेजी से बढ़ रही हैं। आकर्षक इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं सुविधाओं के कारण महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक और तमिलनाडु निजी निवेश को आकर्षित कर समृद्ध राज्यों में बदल रहे हैं।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

आतंकी जड़ें...

पिछले दिनों बिहार के मधुबनी जिले के रहने वाले मो. एहतेशाम को दिल्ली एयरपोर्ट पर पकड़ा गया। वह अफगानिस्तान भागने की तैयारी में था। प्रतिबंधित आतंकी संगठन पीएफआइ (पापुलर फ्रंट आफ इंडिया) के सदस्य याकूब खान को भी बिहार के पूर्वी चंपारण के एक मदरसे से गिरफ्तार किया गया था। गत वर्ष जब पीएफआइ से संबंधित समाचार आ रहे थे तो उसमें पटना हवाई अड्डा से सटे फुलवारी शरीफ के अलावा पूर्वी चंपारण और पूर्णिया का भी नाम आया था। पूर्णिया जिला पीएफआइ का मुख्यालय था तो पूर्वी चंपारण उसका ट्रेनिंग सेंटर। 27 अक्टूबर, 2013 को नरेन्द्र मोदी के पटना आगमन पर गांधी मैदान में हुए विस्फोट के कारण केंद्रीय एजेंसिया सतर्क थीं। परिणामस्वरूप वर्ष 2022 में प्रधानमंत्री मोदी जब बिहार आए तो उससे एक दिन पूर्व एनआइए (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) ने फुलवारी शरीफ से जलालुद्दीन और अतहर परवेज को गिरफ्तार कर लिया। शिक्षा के नाम पर ये दोनों युवाओं को जिहाद की ओर धकेल रहे थे। इसी प्रकार वर्ष 2016 में जाकिर नाइक और असदुद्दीन ओवैसी के समर्थन में पीएफआइ ने पटना में एक जुलूस निकाला था जिसमें पाकिस्तान के समर्थन में नारे लगाए गए। वर्ष 2021 में त्रिपुरा की घटना को लेकर भी फुलवारी शरीफ में एसडीपीआइ (सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी आफ इंडिया) के आह्वान पर एक अराजक जुलूस निकाला गया था। ''आतंकवादियों का बिहारी लिंक'' सदा से चर्चा में रहा है। देश में घटी तमाम आतंकी घटनाओं के तार बिहार से जुड़ते रहे हैं। फुलवारी शरीफ घटना में गिरफ्तार अतहर परवेज ने एनआइए के पूछने पर यह स्वीकार किया था कि अपनी गिरफ्तारी से चार-पांच महीने पूर्व वह एटीएस आफिस गया था तथा एटीएस के दो पदाधिकारी उसके संपर्क में थे। बिहार पुलिस ने इस समाचार का न तो खंडन किया और न ही यह बताया कि वे दो पदाधिकारी कौन थे। वर्ष 2006 में मुंबई एटीएस ने मुंबई ट्रेन विस्फोट में मधुबनी के मो. कलाम और खालिद शेख को गिरफ्तार किया था। वर्ष 2009 में दिल्ली विस्फोट में मधुबनी के मो. मदनी, 2008 में रामपुर के सीआरपीएफ कैंप में हुए विस्फोट में मधुबनी के सबाहुद्दीन, 2011 में मधुबनी के ही अफजल एवं गुल अहमद की गिरफ्तारी के बाद समाचार पत्रों में आतंकवाद के मधुबनी और दरभंगा माड्यूल की चर्चा भी शुरू हो गई थी। मई 2012 में कर्नाटक पुलिस ने बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम विस्फोट के संबंध में दरभंगा के मो. कफिल को गिरफ्तार किया था। इस पर बिहार विधानसभा के अंदर एक प्रश्न के जवाब में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि कर्नाटक पुलिस ने अल्पसंख्यक वर्ग के लोगों को बिहार पुलिस को बिना बताए गिरफ्तार किया। अखबारों में दरभंगा और मधुबनी माड्यूल लिखे जाने की भी उन्होंने निंदा की। मुख्यमंत्री द्वारा वर्ष 2012 में कर्नाटक की भाजपा सरकार के खिलाफ की गई टिप्पणी 2013 में भाजपा से संबंध विच्छेद का कोई पूर्व संकेत तो नहीं था? वर्ष 2021 में हुए दरभंगा ट्रेन विस्फोट की जांच एनआइए कर रही थी। इसी क्रम में 2022 में प्रधानमंत्री मोदी के बिहार आगमन के एक दिन पूर्व फुलवारी शरीफ में एनआइए ने कार्रवाई की। इस घटना के बाद राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण एवं नीति आयोग की बैठक से मुख्यमंत्री की अनुपस्थिति ने भावी राजनीति के संकेत दे दिए। फुलवारी शरीफ की घटना के बाद बिहार में राजनीतिक परिवर्तन हुआ था।

जेएसजी जनक संगिनी द्वारा देशभक्ति पर आधारित कार्यक्रम आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

जेएसजी जनक संगिनी द्वारा बुधवार 9 अगस्त 2023 को होटल ग्रैंड सफारी में 15 अगस्त के उपलक्ष में देशभक्ति का प्रोग्राम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि समाज सेविका सुनीता अजमेरा (शक्तिनगर) ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। प्रोग्राम की शुरूआत राष्ट्रीय गान से हुई। संगिनी की सदस्यो द्वारा देश भक्ति पर आधारित एक नाटिका प्रस्तुत की गई। गेम खिलाए व देश भक्ति पर आधारित गीत गाए। विजेताओं, उपविजेता को उपहार नीलू डोली इस्मिता द्वारा दिए गए इस मे भारत माता का रोल रागिनी जैन और लक्ष्मीबाई का रोल मीनाक्षी जैन के द्वारा दिया गया देश भक्ति नाटक का संचालन निधि जैन द्वारा किया गया। अध्यक्ष कविता जैन, सचिव निधि जैन, रश्मि जैन रेनू जैन सब ने अच्छा योगदान किया कोऑर्डिनेटर मीनाक्षी सोगानी और कमेटी की महिलाओं ने इस प्रोग्राम चार चांद लगा दिए। मंच का संचालन विजयलक्ष्मीद्वारा किया गया। इस प्रोग्राम का संचालन करने में कार्यकारिणी सदस्य रागिनी जैन सीमा गोधा, रेखा मित्तल, रूपल, डॉ अनीता संगीता जैन शिखा अंजू इन सभी का योगदान रहा।

राज्यपाल ने किया सुबोध नंदन की चौथी पुस्तक 'बिहार के पर्व-त्योहार और खानपान' का लोकार्पण

समाचार पत्रों में सामाजिक खबरों को मिले अहमियत, बिहार को जानने के लिए नंदन की चारों पुस्तकें उपयोगी

पटना. शाबाश इंडिया। बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने सोमवार को राजभवन में आयोजित कार्यक्रम में पत्रकार व लेखक सुबोध कुमार नंदन की चौथी पुस्तक ‌'बिहार के पर्व-त्योहार और खानपान' का लोकार्पण किया। इस पुस्तक का प्रकाशन प्रभात प्रकाशन, नयी दिल्ली ने किया है। इससे पूर्व सुबोध नंदन की तीन पुस्तकें ''बिहार के पर्यटन स्थल'', 'बिहार के मेले' और 'बिहार के ऐतिहासिक गुरुद्वारे' प्रकाशित हो चुकी हैं। गौरव की बात यह है कि तीनों पुस्तकों को पर्यटन मंत्रालय (भारत सरकार) की ओर से राष्ट्रीय स्तर के ''राहुल सांकृत्यायन पुरस्कार'' से सम्मानित किया जा चुका है। इस मौके पर राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर ने कहा कि सुबोध नंदन की चारों पुस्तकें बिहार के समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं, रीति-रिवाजों और ऐतिहासिक मेलों तथा धार्मिक धरोहरों से रूबरू होने के लिए महत्वपूर्ण और उपयोगी हैं। खासकर युवा पीढी को इन पुस्तकों को पढ़ना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि समाचार पत्रों में सामाजिक खबरों को वह अपेक्षित महत्व नहीं दिया जाता है, जिसके वे हकदार हैं। सामाजिक खबरों को पेज छह और पांच पर किसी कोने में छोटी खबर के रूप में प्रकाशित कर दिया जाता है, जबकि अपराध, लूटपाट, चोरी और बलात्कार जैसी खबरों को प्रमुखता के साथ पेज तीन-चार पर जगह दी जाती है. यह सच है कि अखबारों की अपनी कुछ बंदिशें है। इसके बावजूद काफी संभावनाएं हैं। इस मौके पर बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष पीके अग्रवाल, बिहार खुदरा विक्रेता महासंघ के महासचिव रमेश चंद्र तलरेजा, बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष राम लाल खेतान, संपादक, प्रभात खबर बिहार अजय कुमार, भारतीय स्टेट बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन के महासचिव अमरेश विक्रमादित्य आदि मौजूद थे।

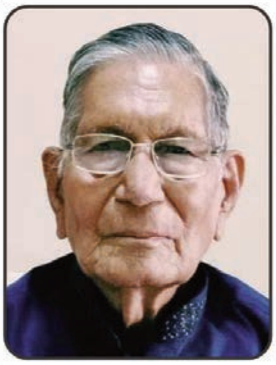

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

जैन समाज के भीष्म पितामह

श्री महेंद्र कुमार पाटनी

(संरक्षक-श्री दिगम्बर जैन एकता मंच, जयपुर)

के आकस्मिक निधन पर हम सभी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत्

श्री दिगम्बर जैन एकता मंच, जयपुर

संरक्षक : नरेश कुमार सेठी (रिटा. आईएएस.), अनिल कुमार जैन (रिटा. आईपीएस.), राजकुमार कोठ्यारी (वास्तुविद्), **अध्यक्ष :** सत्येन्द्र बैद, महामंत्री : योगेश टोडरका, **उपाध्यक्ष :** अशोक लुहाड़िया, अरुण कोड़ीवाल, नरेश कासलीवाल, **मंत्री :** प्रदीप ठोलिया, **संयुक्त मंत्री :** रमेश सौगानी, **कोषाध्यक्ष :** मितेश ठोलिया, **कार्यकारिणी सदस्य :** मनीष बैद, प्रकाश चन्द भाँवसा, प्रकाश चन्द गंगवाल, रोमेश गंगवाल, मनीष अजमेरा, सुमति प्रकाश पाटोदी, अरुण बड़जात्या, सुरेश भौंच, अमरचन्द जैन दीवान, कैलाश बिन्दायक्या, भागचन्द भाँवसा, निर्मल कासलीवाल, अनिल गोधा, शारदा सोनी, मीनू सौगानी, रेखा झांझरी

महावीर विद्या मंदिर में बगड़ा परिवार ने शैक्षणिक सामग्री वितरित की

सुजानगढ़. शाबाश इंडिया

स्थानीय श्री दिगम्बर जैन समाज सुजानगढ़ द्वारा संचालित श्री महावीर विद्या मंदिर विद्यालय में छात्र छात्राओं को शैक्षणिक सामग्री वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय व्यवस्थापक महावीर प्रसाद पाटनी ने जानकारी देते हुए बताया कि सुजानगढ़ निवासी ईटानगर,गुवाहाटी प्रवासी निहालचंद अमराव देवी बगड़ा की वैवाहिक वर्षगांठ के उपलक्ष्य पर उनके सुपुत्र महेंद्र कुमार महेश कुमार बगड़ा परिवार द्वारा आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री दिगम्बर जैन समाज के संरक्षक विमल कुमार पाटनी ने की। सर्वप्रथम विद्या की देवी मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर अतिथियों ने कार्यक्रम का आगाज किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंत्री पारसमल बगड़ा ने प्रेरकीय संदेश देते हुए विद्यार्थियों को कहा कि संस्कारवान बनकर कड़ी मेहनत करकर देश व समाज का नाम रोशन करना चाहिए।

फ्रेंड्स क्लब का लहरिया उत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया। फ्रेंड्स क्लब के 30 वर्ष पूर्ण होने पर बहुत धूमधाम से लहरिया उत्सव मनाया गया, यह लहरिया उत्सव त्रिवेणी नगर ओम भवन में मनाया गया । इसमें हाउजी, गेम वह अन्य सांस्कृतिक प्रोग्राम करवाए गए, 30 साल से जुड़ी हमारी सभी बहने किरण बेनाडा, सुशीला छाबड़ा, विद्युत लुहाडिया, आशा लुहाडिया, वंदना. नलिनी, सुलोचना सेठी, कमला सेठी लता जी व सभी पुरानी मेंबर उपस्थित रही।

दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी
के माननीय मानद् मंत्री
श्री महेन्द्र कुमार जी पाटनी
के
निधन से हम सभी शोक सतंत है।
आपकी निष्ठा, आपकी प्रामाणिकता, आपकी समर्पण भावना
भारतवर्षीय दिगम्बर जैन समाज में अनवरत् रुप से सदैव याद रहेंगी।
भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित है।

॥श्रद्धा सुमन॥

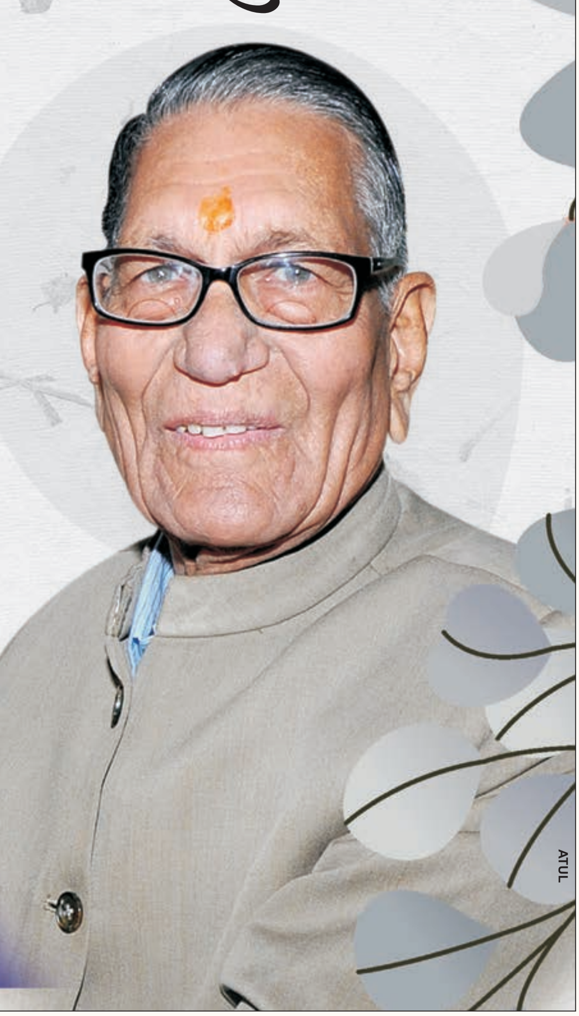

:श्रद्धावनत:
प्रबन्धकारिणी कमेटी
दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी

सुधान्शु कासलीवाल
अध्यक्ष

शान्तिकुमार जैन
उपाध्यक्ष

चन्द्रप्रकाश पहाड़िया
उपाध्यक्ष

सुभाष चन्द जैन
संयुक्त मंत्री

उमरावमल संघी
संयुक्त मंत्री

विवेक काला
कोषाध्यक्ष

- सदस्यगण -
सुभद्र कुमार पाटनी . नरेश कुमार सेठी . अध्यक्ष भा.दि.जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी,मुम्बई (पदेन..शिखरचन्द पहाड़िया)
पूनमचन्द्र शाह . डॉ. कमलचन्द सौगानी . जस्टिस नगेन्द्र कुमार जैन . हेमन्त सौगानी . अशोक जैन
कमलकुमार बड़जात्या-मुम्बई . जस्टिस नरेन्द्रकुमार जैन . देवेन्द्र कुमार जैन-दिल्ली
अशोक कुमार पाटनी-मदनगंज किशनगढ़ .सतीश अजमेरा . सुधीर कासलीवाल
डॉ. पदमकुमार जैन . प्रदीप कुमार जैन . अनिल पाटनी (दीवान) . रुपिन के. काला . सुरेश सबलावत

श्रद्धांजलि सभा
शुक्रवार, दिनांक 11 अगस्त, 2023
दोपहर 4.00 बजे से सांय 6.00 बजे तक
स्थान : भट्टारक जी की नसियाँ, जयपुर

ATUL

एक दिवसीय धार्मिक यात्रा झोटवाड़ा महिला मंडल की संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। एक दिवसीय धार्मिक यात्रा झोटवाड़ा महिला मंडल की संपन्न हुई। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर झोटवाड़ा महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती नीलम बड़जात्या वह उपाध्यक्ष अल्पना जैन ने बताया कि मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष धीरज कुमार पाटनी एवं मंत्री दिनेश काला और समंत्री प्रमोद छाबड़ा मुंडोतावाला आवा और कोटा के लिए एक दिवसीय धार्मिक यात्रा के लिए बस को झंडी दिखाकर रवाना की।

गुरु की ऊर्जा शिष्य का विकास करती है : गुरु मां विज्ञाश्री माताजी

गुंशी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी, जिला - टोंक (राज.) के तत्वावधान में भारत गौरव गणिनी आर्यिका रत्न 105 विज्ञाश्री माताजी के ससंघ सान्निध्य में आज की शांतिधारा करने का सौभाग्य अरविंद ककोड़ वालों ने प्राप्त किया तत्पश्चात उमरावमल किशनगढ़ वालों ने नेहा के जन्मदिन के उपलक्ष्य में श्री शांतिविधान रचाकर पुण्यार्जन किया। तत्पश्चात गुरु मां ने प्रवचन देते हुए कहा कि - गुरु की ऊर्जा शिष्य का विकास करती है। गुरु की मर्मज्ञ वाणी संजीवनी का काम करती है। गुरु की दृष्टि जिस पर पड़ जाये उसका उद्धार हो जाये। गुरु के आशीष से शिष्य की संकल्प शक्ति मजबूत होती है और उस संकल्प शक्ति के बल पर शिष्य सफलता के शिखर चूमता है।

गौ सेवा करना सबसे बड़ा पुण्य: श्रमण मुनि श्री विशल्यसागर जी

भागलपुर. शाबाश इंडिया

जैन दर्शन का अथवा विश्व दर्शन का महत्वपूर्ण सूत्र दिया गया है जिसमें कहा गया है कि वास्तव में उत्कृष्ट धर्म क्या है इस कालतम में धर्म रुपी परिभाषा बतला दी गई है और तीन महत्वपूर्ण बिंदु बतलाई गई है धम्मो मंगल मुक्किट्ठो, उत्कृष्ट कोई मंगल यदि है, उत्कृष्ट धर्म यदि कोई है तो वह अहिंसा,संयम और तप जिसके पास ये तीन शाक्तियां है। वास्तव में उसके लिए देवता भी नमस्कार करते है प्रणाम करते है सबसे पहले धर्म बतलाया आहिंसा। आहिंसा भी संयम और तप की वृद्धि के लिए है ,साधना और आराधना भी आहिंसा के लिए है पूरी की पूरी जो भी सत्य साधना की जाती है या दिगम्बरत्व साधना की जाती है उन सबका धेय अगर कोई है तो आहिंसा परमब्रह्य की सिद्धि करता है हमारे आचार्य भगवंतो ने आहिंसा को परमब्रह्य कहा है आहिंसा के लिए संस्कृति और प्रकृति का आधार स्तम्भ कहा है अगर आज प्रकृति सन्तलुत है, संस्कृति सुरक्षित हैं तो उसका मुख्य आधार बिंदु अहिंसा है।

हार्दिक श्रद्धांजलि

परम सम्मानीय समाजश्रेष्ठी धमार्नुरागी, कर्मयोगी आदरणीय

महेन्द्र कुमार जी पाटनी

के असामयिक निधन का समाचार निकटस्थ परिवारजनों के साथ ही साथ पूरे समाज के लिए अपूरणीय क्षति है।

परमपिता परमेश्वर दिवंगत मनीषी की आत्मा के लिये परम शांति व सभी परिवारजनो, सहयोगी व सहभागियो को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करें यही परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना है।

बी एल गोदीका

पूर्व प्राचार्य श्री महावीर स्कूल सी स्कीम, जयपुर

ॐ शांति, ॐ शांति, ॐ शांति.....

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

थूवोनजी में कमेटी ने किया वृक्षारोपण

एल एन टी कम्पनी के सहयोग से हो रहा है सघन वृक्षारोपण

वृक्ष हमारे जीवन का आधार है इनकी सुरक्षा करें: विजय धुर्रा

अशोक नगर

जिले के सबसे बड़े तीर्थ अतिशय क्षेत्र दर्शनोंदय तीर्थ थूवोनजी में आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की प्रेरणा से कमेटी द्वारा सघन वृक्षारोपण एवं एन टी कम्पनी के सहयोग से किया जा रहा है इस हेतु दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टिंगू मिल महामंत्री विपिन सिंघई के नेतृत्व में वृक्षारोपण चल रहा है गत दिवस भी वृक्षारोपण किया गया।

कुंडो का निर्माण कराकर किया जा रहा है काम

इस अवसर पर मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि गत वर्ष संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के तीर्थ क्षेत्र नेमावर जी में अतिशय क्षेत्र दर्शनोंदय तीर्थ थूवोनजी की प्रकृति को समझते हुए वड़े कुंडो का निर्माण कर छायादार वृक्ष रोपने की प्रेरणा देते हुए कहा था कि थूवोनजी की भूमि पत्थरी है पत्थर होने के कारण तापमान तो अधिक रहता ही है आने वाले यात्रियों का भी शुष्क स्थान पर मन नहीं लगता तीर्थ क्षेत्र को वड़े वृक्षों के साथ फलदार वृक्षों से पाटने पर परिणाम आयेगा तव से ही कमेटी बड़े गमलों के साथ ही कुंडो का निर्माण कर वृक्षारोपण किया जा रहा है।

सहयोगी बनाकर करा रहे हैं वृक्षारोपण

कमेटी के महामंत्री विपिन सिंघई ने कहा कि एल एन टी कम्पनी के सहयोग से तीर्थ क्षेत्र पर दस हजार वृक्ष लगाने का लक्ष्य रखा गया है जो इसी वर्षात में लगायें जाना है इस हेतु कम्पनी के अधिकारी गड़ अपनी पूरी तत्परता से कार्य को अंजाम तक पहुंचाने में कमेटी के साथ खड़े है कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल ने कहा कि वृक्षारोपण से तीर्थ क्षेत्र में खुवसूरती बढ़ेगी और भक्तो को और अधिक आनन्द आयेगा इस दौरान कमेटी के मंत्री राजेन्द्र हलवाई आडिटर राजीवचन्देरी राजेश जैन रवि जैन इंजिनियर अतुल जैन मोनू जैन आदि उपस्थित थे

जगत कल्याण की कामना के लिए की शान्तिधारा

इसके पहले आज सुबह दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी के खड़े बाबा भगवान आदिनाथ स्वामी का अभिषेक के साथ ही जगत कल्याण की कामना के लिए भक्तो दारा शान्ति धारा की गई इसका सौभाग्य श्रावक श्रेष्ठी विनोद कुमार प्रमोद कुमार अरविंद कुमार अनुज कुमार मोदी गुरुभक्त मंडल मुगाबली रविकांत कांसल परिवार अशोकनगर राधेलाल राजकुमार धूर्रा परिवार अशोकनगर वीरेंद्र कुमार अतुल कुमार टडैया

उमेश सिघई, प्रसन्न कुमार विनोद कुमार मोदी।

निर्मल जैन सोगानी को एक बार फिर से सड़क सुरक्षा कमेटी के मेंबर बने

समाज बंधुओ ने किया माल्यार्पण कर स्वागत

जयपुर. शाबाश इंडिया। निर्मल जैन सोगानी को एक बार फिर से सड़क सुरक्षा कमेटी के मेंबर बनाया गया है।इस अवसर पर समाज बंधुओ ने उनका माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस अवसर पर सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को उनके आवास पर अब तक किए हुए सड़क सुरक्षा के कार्यक्रमों का ब्यौरा दिया एवं उन्हें दुबारा से पदभार देने हेतु उनका आभार व्यक्त किया और संपूर्ण कार्यक्रम के जो ब्यौरा था उसके भी उनको कॉपियां दिखाई गई मंत्री जी से मिलकर मन प्रसन्न हुआ और उनका आशीर्वाद लिया आगे के कार्यक्रमों के लिए उनके सपनों को सड़क सुरक्षा के कार्यक्रमों को पूरा किया जाएगा ।

चिन्मय देशभक्ति गीत प्रतियोगिता सम्पन्न

एमपीएस इंटरनेशनल स्कूल प्रथम रहा

जयपुर. शाबाश इंडिया। चिन्मय मिशन की चिन्मय युवा शाखा द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अंतर विद्यालय देश भक्ति गीत प्रतियोगिता श्रद्धांजलि 2023 समुदायिक केंद्र मानसरोवर में आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में जयपुर शहर के टैगोर इंटरनेशनल, एमपीएस जवाहर नगर, श्री दिगंबर महावीर स्कूल, रुकमणी बिरला, संस्कार स्कूल, ज्ञान विहार, और डिफेंस पब्लिक स्कूल सहित 25 विद्यालयों के छात्र छात्राओं ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया । कोरोना की वजह से यह प्रतियोगिता 3 साल बाद आयोजित की गई है। स्वतंत्रता सेनानीयो, शहीदों और सशस्त्र बलों को समर्पित इस प्रतियोगिता में विद्यालय की टीमों ने देशभक्ति गीत को बहुत ही स्वरबद्ध और सुरीले अंदाज में प्रस्तुत कर देश भक्ति की अलख जगाई । कार्यक्रम में निर्णायक मंडल में श्रीमती के सरस्वती, आमोद चतुर्वेदी और श्रीमती नीलम शर्मा रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर अरुण सबरवाल ने छात्र-छात्राओं को देशभक्ति एवं देश प्रेम के महत्व को समझाया। प्रतियोगिता में एमपीएस इंटरनेशनल स्कूल ने प्रथम, माहेश्वरी गर्ल्स पब्लिक स्कूल द्वितीय एवं टैगोर पब्लिक स्कूल शास्त्री नगर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । इनको क्रमशः6000, 4000 व 3000 रुपए की राशि देकर पुरस्कृत किया गया । प्रतियोगिता के दौरान छात्र-छात्राओं से देश के शहीदों , भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक के प्रश्न पूछे गए जिन्होंने सही उत्तर दिया उन्हें पुरस्कृत भी किया गया । कार्यक्रम में चिन्मय मिशन की संरक्षक ममता मानसिंका, उपाध्यक्ष डॉक्टर आरके चतुर्वेदी, एमएम जोशी एवं कार्यकारिणी के सदस्य प्रमोद अग्रवाल, शालिनी जोशी, सोमेश भार्गव, प्रवीण आचार्य, निशा गुप्ता, मधु चंद्रसेन, रेखा भार्गव एवं संगीता गुप्ता सहित बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में मिशन के अध्यक्ष एम एल गुप्ता ने सभी विद्यालय एवं अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया तथा कार्यक्रम का संचालन मिशन के सचिव डॉ मनोज खुराना ने किया।

अपने घरों को मंदिर और स्वर्ग बनाना स्वंय के हांथों में है : साध्वी प्रीतीसुधा

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। जीवन में सावधानी रखोगे तो घर मे खुशहाली लाई जा सकती।गुरूवार को दोपहर अहिंसा भवन शास्त्रीनगर मे तृतीय दिवसीय आध्यात्मिक धार्मिक ज्ञान शिविर में महिलाओं को साध्वी प्रीतीसुधा ने धर्म संदेश देतें हुए कहा कि जीवन मे संस्कारो का निर्माण घर से ही प्रांरभ होता है और घर से ही पतन होता है लेकिन छोटी छोटी बातों का ख्याल और ध्यान रखकर धर्म आराधना करे तो अपने घरों को मंदिर और स्वर्ग बनाया जा सकता है। वह तभी संभल हो सकता है जब वह अपने घर को मंदिर समझकर नियमो का पालन करेगी तो घर मे सकारात्मक उर्जा का वास होगा जिसके प्रभाव से घर कि नकारात्मक उर्जा को दूर कि जा सकती है। जीवन मे नियम ना होगे तो घर का वातावरण दुषित और क्लेश हो सकता है। आज आधुनिक सोच और स्वार्थ पूर्ण जीवन शैली के कारण घर का अस्तित्व और परिवार मे बिखराव पैदा हो गये है आज परिवार मे नारी ही नारी की सबसे बड़ी दुश्मन है।नारी को जननी माना गया है, जननी एक ऐसे घर का निर्माण करें जिसमें प्यार की छत हो, विश्वास की दीवारें हों, सहयोग के दरवाजे होगे तो अनुशासन की खिड़कियां होंगी तो परिवार संस्कार वान बन सकता है और घर को मंदिर बनाया जा सकता है इसदौरान धार्मिक आध्यात्मिक ज्ञान शिविर मे अहिंसा भवन चंदन बाला महिला मंडल कि अध्यक्षा नीता बाबेल,मंजू पोखरना,रजनी सिंघवी,सुनीता झामड़, मंजू बाफना उषा बाबेल,ममता रांका,अंनू बापना,रिंकू रांका, सरोज मेहता,कमलेश चौपड़ा ने आदि सभी अपने शिविर मे विचार व्यक्त किये। शिविर मे सैकड़ों जैन समाज कि महिलाओं के साथ अहिंसा भवन के अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह बाबेल,अशोक पोखरना, सुशील चपलोत, हेमन्त आंचलिया,हिम्मत सिंह बापना, कूशलसिंह बूलिया आदि पदाधिकारियें उपस्थित रही।

प्रवक्ता निलिष्का जैन, भीलवाड़ा

त्रिशला महिला मंडल ने मनाया सावन उत्सव एवं वात्सल्य पर्व रक्षाबंधन

जयपुर. शाबाश इंडिया। त्रिशला महिला मंडल द्वारा सावन उत्सव एवं आगामी वात्सल्य पर्व के अवसर पर गीत नृत्य संगीत के साथ सामूहिक वात्सल्य भोज का आयोजन किया गया । मंडल की अध्यक्ष सुलेखा शाह ने बताया कि जैन आगम के अनुसार सैकड़ो वर्ष पूर्व हस्तिनापुर नगरी में मुनि विष्णु कुमार द्वारा आचार्य अनुकंपा आदि 700 मुनि राजो की वात्सल्य पर्व के दिन रक्षा करने के कारण इसको रक्षा बंधन के रूप में मनाते हैं । वर्तमान समय में इस त्यौहार को मात्र भाई बहन के त्यौहार तक सीमित कर उसे पौराणिक महत्व को भुला दिया गया है । उसे हृदय विधारक घटना का हमें स्मरण कर जीवन में प्राणी मात्र की रक्षा का संकल्प लेना चाहिए । सभी ने संकल्प स्वरूप एक दूसरे के रक्षा सूत्र बांदी । बच्चों में मिठाई बांटकर धर्म के महत्व को बताया ।